

وَفَاقُ الْمَدَارِ الْعَرَبِيِّ بْنِ خَلْدُونِ

শিশু মনোবিজ্ঞানের সর্বশেষ গবেষণার সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ, ব্র্যাকবোর্ডের মাধ্যমে পাঠদানের
উপযোগী, সকল শিশু শিক্ষার লক্ষ্যে রচিত এবং নূরানী প্রশিক্ষণ- বেফাকুল মাদারিসিল
আরাবিয়া বাংলাদেশ (বাংলাদেশ কওমী মাদরাসা শিক্ষা বোর্ড)- এর পক্ষ থেকে প্রণীত-

বেফাক নূরানী কায়দা



বেফাকুল মাদারিসিল আরাবিয়া বাংলাদেশ

وَفَاقًا لِّمَدَارِ السُّرَّةِ الْعَرَبِيَّةِ بِنَعْلَانِ

শিশু মনোবিজ্ঞানের সর্বশেষ গবেষণার সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ,
ব্ল্যাকবোর্ডের মাধ্যমে পাঠদানের উপযোগী, সকল শিশু শিক্ষার লক্ষ্যে
রচিত এবং নূরানী প্রশিক্ষণ- বেফাকুল মাদারিসিল আরাবিয়া বাংলাদেশ
(বাংলাদেশ কওমী মাদরাসা শিক্ষা বোর্ড)- এর পক্ষ থেকে প্রণীত-

বেফাক

নূরানী কায়দা

প্রকাশকাল

প্রথম প্রকাশ ১৪৩৯ হি. ২০১৭ ইং

পঞ্চম প্রকাশ ১৪৪৩ হি. ২০২২ ইং

সম্পাদনায়

তা'লীম তারবিয়াত বিভাগ

প্রকাশনায়

আল বেফাক পাবলিকেশন্স

বেফাকুল মাদারিসিল আরাবিয়া বাংলাদেশ

১৭ টি মাখরাজ এক নযরে

✽ হরফ উচ্চারণের স্থানকে মাখরাজ বলে। আরবী হরফ ২৯টি মাখরাজ ১৭টি।

১নং মাখরাজ: হলকের শুরু হইতে - **ا** উচ্চারিত হয়।

২নং মাখরাজ: হলকের মধ্য হইতে - **ح** উচ্চারিত হয়।

৩নং মাখরাজ: হলকের শেষ হইতে - **خ** উচ্চারিত হয়।

৪নং মাখরাজ: জিহ্বার গোড়া, তার বরাবর উপরের তালুর সংগে লাগিয়ে দুই নুক্তাওয়ালা - **ق** উচ্চারিত হয়।

৫নং মাখরাজ: জিহ্বার গোড়া থেকে একটু আগে বাড়িয়ে, তার বরাবর উপরের তালুর সংগে লাগিয়ে মধ্যখান পেঁচানো - **ك** উচ্চারিত হয়।

৬নং মাখরাজ: জিহ্বার মধ্যভাগ তাঁর বরাবর উপরের তালুর সঙ্গে লাগিয়ে- **ج** উচ্চারিত হয়।

৭নং মাখরাজ: জিহ্বার গোড়ার কিনারা, উপরের মাড়ির দাঁতের গোড়ার সংগে লাগিয়ে- **ض** উচ্চারিত হয়।

৮নং মাখরাজ: জিহ্বার আগার কিনারা, সামনের উপরের দাঁতের গোড়ার সংগে লাগিয়ে- **ل** উচ্চারিত হয়।

৯নং মাখরাজ: জিহ্বার আগা, তার বরাবর উপরের তালুর সংগে লাগিয়ে- **ن** উচ্চারিত হয়।

১০নং মাখরাজ: জিহ্বার আগার পিঠ, তার বরাবর উপরের তালুর সংগে লাগিয়ে- **ي** উচ্চারিত হয়।

১১নং মাখরাজ: জিহ্বার আগা, সামনের উপরের দুই দাঁতের গোড়ার সংগে লাগিয়ে- **ط** উচ্চারিত হয়।

১২নং মাখরাজ: জিহ্বার আগা, সামনের নিচের দুই দাঁতের পেটের সংগে লাগিয়ে- **ص** উচ্চারিত হয়।

১৩নং মাখরাজ: জিহ্বার আগা, সামনের উপরের দুই দাঁতের আগার সংগে লাগিয়ে- **ظ** উচ্চারিত হয়।

১৪নং মাখরাজ: নীচের ঠোঁটের পেট, সামনের উপরের দুই দাঁতের আগার সংগে লাগিয়ে- **ف** উচ্চারিত হয়।

১৫নং মাখরাজ: দুই ঠোঁট হইতে- **و** উচ্চারিত হয়।

[**و** দুই ঠোঁট গোল করে; **ب** দুই ঠোঁটের ভিজা জায়গা মিলিয়ে;
م দুই ঠোঁটের শুকনা জায়গা মিলিয়ে]

১৬নং মাখরাজ: মুখের খালি জায়গা হইতে মন্দের হরফ পড়া যায়।

১৭নং মাখরাজ: নাকের বাঁশি হইতে **غ** (গুনাহ) উচ্চারিত হয়।

رَبِّ زِدْنِي عِلْمًا. رَبِّ يَسِّرْ وَلَا تَعْسِرْ وَتِمِّمْ عَلَيْنَا بِالْخَيْرِ

প্রথম অধ্যায় : প্রথম পাঠ

আরবী ২৯টি হরফের পরিচয় (ধারা ১-৪)

ا	ب	ت	ث	ج
ح	خ	د	ذ	ر
ز	س	ش	ص	ض
ط	ظ	ع	غ	ف
ق	ك	ل	م	ن
و	ه	ء	ي	*

২৯টি হরফের পরীক্ষা

ا	ط	ه	د	ص
ح	و	ر	م	ع
ل	ء	س	ك	ی
ث	ش	ت	ظ	خ
ب	ز	ذ	ج	ق
ض	ف	ن	غ	*

২য় পাঠ

২৯টি হরফের মধ্যে কয়েকটি হরফের রূপ পরিবর্তন হয়
বিভিন্ন রূপের কয়েকটি হরফ। (ধারা ১-৪)

মিলিত হরফ	শেষে	মধ্যে	প্রথমে	পূর্ণ হরফ
ببب	ب	ب	ب	ب
تتت	ت	ت	ت	ت
ثثث	ث	ث	ث	ث
ننن	ن	ن	ن	ن
ييي	ي	ي	ي	ي
ججج	ج	ج	ج	ج
ححح	ح	ح	ح	ح
خخخ	خ	خ	خ	خ
سسس	س	س	س	س
ششش	ش	ش	ش	ش

মিলিত হরফ	শেষে	মধ্যে	প্রথমে	পূর্ণ হরফ
صصص	ص	ص	ص	ص
ضضض	ض	ض	ض	ض
ععع	ع	ع	ع	ع
غغغ	غ	غ	غ	غ
فففف	ف	ف	ف	ف
قققق	ق	ق	ق	ق
ككك	ك	ك	ك	ك
للل	ل	ل	ل	ل
مممم	م	م	م	م
ههه	ه	ه	ه	ه
ءءء	أ	ئ	ر	ع

অপূর্ণ হরফের পরীক্ষা

ع	ز	ف	غ	ر	ه
خ	ل	ل	ع	ش	أ
ب	ح	ت	س	ق	ك
ه	م	ص	ك	ج	د
ه	ث	ي	ج	خ	ض

৩য় পাঠ শব্দ গঠন প্রণালী
দুই হরফ বিশিষ্ট শব্দ গঠন (ধারা ১-২)

له	هو	لك	ظل	حب	با
خن	به	يه	هم	من	حم
يس	حي	لح	لا	جر	ته
عص	مع	جد	حج	تو	كب
جئ	لؤ	يف	فج	ضع	صع

তিন ও চার অক্ষর বিশিষ্ট শব্দ (ধারা ৩-৪)

علم	بعد	شجع	قلم	عقل	علق
سعد	يسر	نفس	طلب	مطر	حبط
كسب	خبر	يصل	نعت	فتح	تجد
خلص	عنك	لعن	شفع	يصل	صلح
هلك	سهم	سفه	كنت	سكن	ضحك
يتلو	نعمت	جعلن	لعلك	مقطع	ثقلت

উপরের পাঠসমূহের পরীক্ষা (দেখে নির্ভুল হরফ পড়া)

ممتحن	تمليل	ينقلب	يتكلم	تضليل	ينفعكم
يستيقن	للمتقين	للفسقين	للعلمين	لنساءهم	
نجعلها	ليجمعنكم	مستضعفين	ليستخلفنكم		

লেখা শিখার অনুশীলন

ج ل ح ث ب د ك ش غ س ت خ ع ص ي ذ ق ح
ج ل ح ث ب ك ش غ س ت خ ع ص ي ذ ق ح
ع م ز ل خ س ع ش ك ب ث ج ل ح ي ذ ق ف ص
ع م ز ل خ س ع ش ك ب ث ج ل ح ي ذ ق ف ص

টীকা : খাড়া টানের পরে মিলিত হরফ থাকলে ں না থাকলে | যেমন- حن

চতুর্থ পাঠ (ধারা : ১-২)

হরকতের পরিচয় ও উচ্চারণ শিখা (যবর যোগে ইজরা)

ج	ث	ت	ب	ا
ر	ذ	د	خ	ح
ض	ص	ش	س	ز
ف	غ	ع	ظ	ط
ن	م	ل	ك	ق
	ي	ء	ه	و

টিকা: আলিফে যবর যের বা কোন কিছু আসলে হামজার উচ্চারণ করতে হয়।

যের যোগে ইজরা

ج	ث	ت	ب	ا
ر	ذ	د	خ	ح
ض	ص	ش	س	ز
ف	غ	ع	ظ	ط
ن	م	ل	ك	ق
	ي	ء	ه	و

টিকা : হরকতের উচ্চারণ তাড়াতাড়ি পড়তে হয়।

পেশ যোগে ইজরা

أ	ب	ت	ث	ج
ح	خ	د	ذ	ر
ز	س	ش	ص	ض
ط	ظ	ع	غ	ف
ق	ك	ل	م	ن
و	ه	ء	ي	

একাধিক হরফে হরকতের ব্যবহার (ধারা-৩)

دَدَ	دِدَ	نَنَ	نِنَ	مَمَ	مِمَ
بَبَ	خَلُ	فُفُ	مَعَ	مَعَ	لِيَ
هُوَ	هِيَ	لَكَ	بِكَ	فَعَلَ	فُعِلَ
طَلَبَ	غَلَبَ	وَلَدَ	رَشَدَ	عَشَرَ	حَشَرَ
كَتَبَ	وَجَدَ	عَدَدَ	جَمَعَ	ضَرَبَ	نَصَرَ
عِلِمَ	عَمِلَ	حَسِبَ	ظَلِمَ	سَمِعَ	وَسِعَ

بَخِلَ	مَرَضَ	خَشِيَ	بَرَقَ	أَذِنَ	تَبِعَ
عَفَرَ	حَمَدَ	طَبَعَ	فُتِحَ	نُفِخَ	سُطِحَ
ضَرَبَ	قَتَلَ	خُلِقَ	مُنِعَ	ذُكِرَ	وُجِدَ
فَهُوَ	ثَقُلَ	زُبِرَ	كُرِبَ	رُسِلَ	شَكَرَ

মশ্কের মাধ্যমে সমুচ্চারিত হরফের পার্থক্য নির্ণয় করণ। যবর যোগের মশ্ক (ধারা-৪)

بَ وَ	تَ ط	ثَ سَ ص	جَ زَ ذَ ظ
هَ ح	دَ ض	قَ ك	أَ ءَ عَ ي

যের যোগে মশ্ক

پِ وِ	تِ طِ	ثِ سِ صِ	جِ زِ ذِ ظِ
هِ حِ	دِ ضِ	قِ كِ	أِ ءِ عِ يِ

পেশ যোগে মশ্ক

بُ وَ	تُ طُ	ثُ سُ صُ	جُ زُ ذُ ظُ
هُ حُ	دُ ضُ	قُ كُ	أُ ءُ عُ يُ

দ্বৈত পাঠ (ধারা : ১-২)

কে তানজীন বলে। তানজীনের ইজরা দুই যবর যোগে-

جَا	ثَا	تَا	بَا	أَا
رَا	ذَا	دَا	خَا	حَا
ضَا	مَّا	شَا	سَا	زَا
فَا	نَا	وَا	ظَا	طَا
يَا	مَّا	لَا	كَا	قَا
	يَا	يَا	هَا	وَا

দুই যের যোগে ইজরা

جِ	ثِ	تِ	بِ	أِ
رِ	ذِ	دِ	خِ	حِ
ضِ	مِ	شِ	سِ	زِ
فِ	نِ	وِ	ظِ	طِ
يِ	مِ	لِ	كِ	قِ
	يِ	يِ	هِ	وِ

দুই পেশ যোগে ইজ্জরা

أ	ب	ت	ث	ج
ح	خ	د	ذ	ر
ز	س	ش	ص	ض
ط	ظ	ع	غ	ف
ق	ك	ل	م	ن
و	ه	ء	ي	

মশ্কেৰ মাধ্যমে সমুচ্চাৰিত হৱফেৰ পাৰ্থক্য নিৰ্ণয় কৰণ । দুই যবৰ যোগে মশ্ক - (ধাৱা-৪)

بَا وَ	تَا طَا	ثَا سَا صَا	جَا زَا ذَا ظَا
هَّا حَا	دَا ضَا	قَا كَا	اَّا عَا يَا

দুই য়েৰ যোগে মশ্ক

بِو	تِ طِ	ثِ سِ صِ	جِ زِ ذِ ظِ
هِ حِ	دِ ضِ	قِ كِ	اِ عِ يِ

দুই পেশ যোগে মশ্ক

بُ وُ	تُ طُ	ثُ سُ صُ	جُ زُ ذُ ظُ
هُ حُ	دُ ضُ	قُ كُ	اُ عُ يُ

৬ষ্ঠ পাঠ (ধারা : ১-৪)

হরকত ও তানবীনের সম্মিলিত ব্যবহার। (১নং ইজরা)

أَحَدَ	أَخَذَ	أَمَرَ	أَبَدَ	أَكَلَ	أَمَدَ
سَرَقَ	كَفَرَ	قَدَرَ	وَلَدَ	مَعَكَ	جَهَرَ
أَحَدًا	رَشَدًا	عَدَدًا	أَبَدًا	مَثَلًا	شَطَطًا
رَفَقًا	حَرَسًا	جَسَدًا	صَبَدًا	وَجَدًا	حَسَدًا
كُتِبَ	سُرِّ	قَسِمَ	حَطَبُ	سَنَهُ	نُزِلَ

২নং ইজরা

عَمِدَ	طَبِقَ	حَسَنَ	قَدَرَ	أَسَدٍ	كَبِدٍ
زُبُرٍ	كُتِبَ	شُعَبٍ	عَلِقَ	لَهَبٍ	ذَهَبٍ
أَذِنَ	جَمَعَ	حَشَرَ	جَعَلَ	مُنِعَ	ذُكِرَ
كُفُّوا	شُهَبًا	عِنَبًا	دُبُرٍ	جَمَلٌ	رُسُلٌ
هُدًى	طَوًى	ضَحًى	قُرًى	ذُبِحَ	نُفِخَ

৩নং ইজরা

صُحُفًا	شُهَبًا	كُفُؤًا	رُسُلًا	أَحَدٍ	مَسِدٍ
قَتَرَةً	عَلَقَةً	شَجَرَةً	دَرَجَةً	غَبَرَةً	سَبْعَةً
رَقَبَةً	سَفَرَةً	هُمَزَةً	لُمَزَةً	كَلِمَةً	فِتْرَةً
بِقَدَرٍ	بِشَمَنِ	كَمَثَلٍ	لِبَشَرٍ	فَبَدَأَ	فَصَرَفَ
فَنَزَلَ	بِرَجُلٍ	فَاجَلَ	فَرَحَهُ	بَرَدَةً	صَدَاقَةً

৭ম পাঠ

জযমের পরিচয় ও উচ্চারণ (ধারা ১-২)

জযম ওয়ালা হরফ একাকী পড়া যায় না, পূর্বের হরফের হরকতে যদি ধরে তবে পড়া যায়; না ধরলে পড়া যায় না। যবর যোগে ইজরা-

فَرَّ	حَصَّ	حَجَّ	حَوَّ	مَنْ	فَنْ
لَوْ	لِيَّ	لَمْ	لَلَّ	لَكَ	أَلْ
لَنْ	حَبَّ	فَجَّ	فَكَّ	حَمَّ	عَمَّ
فَوَّ	فِيَّ	عَنْ	عَصَّ	سَنْ	قَنْ
مَمَّ	عَوَّ	عَيَّ	هَلَّ	يَنَّ	تَنْ

যের যোগে ইজরা

بِسْ	بِرْ	بِفْ	بِأْ	تَوْ	سِقْ
إِنْ	إِلْ	إِجْ	إِشْ	اَوْ	بِوْ
مِصْ	مِثْ	مِنْ	مِلْ	مِرْ	قِدْ
فِرْ	نِرْ	فِحْ	فَأْ	خَوْ	فِكْ
سِلْ	سِجْ	سِتْ	سِنْ	سِوْ	مِوْ

পেশ যোগে ইজরা

لُبْ	لُتْ	سُقْ	سُفْ	سُيْ	مُنْ
قُلْ	قُمْ	قُنْ	قُبْ	قُيْ	كُيْ
دُنْ	دُدْ	دُكْ	دُسْ	دُرْ	رُدْ
سُنْ	سُجْ	سُلْ	رُجْ	صُحْ	خُنْ
حُصْ	حُسْ	حُشْ	حُتْ	حُيْ	حُنْ

মদের পরিচয় : মদ অর্থ টেনে পড়া, মদের হরফ তিনটি “ ى | و | ُ পেশের পরে জযম ওয়ালা ُ যবরের পরে খালি | যেরের পরে জযম ওয়ালা ُ আসলে ডান দিকের হরকতের উচ্চারণ এক আলিফ টেনে পড়তে হয়। ইহাকে মদে ত্বায়ী বলে (ধারা ৩)

بُو	تَا	ثِي	جُو	حَا	خِي
دَا	دُو	رِي	زَا	سُو	شِي
صَا	ضُو	طِي	ظَا	عُو	غِي
فَا	قُو	كِي	لَا	نُو	وِي
هَا	اِي	يُو	لُو	كََا	بَا

হরকত ও মদের পার্থক্যসহ ইজরা

جُ	جُو	دَ	دَا	فِ	فِي
مَ	مَا	حُ	حُو	بِ	بِي
ثُ	تُو	صَ	صَا	ضِ	ضِي
زَ	زَا	وِ	وِي	نَ	نُو
حَ	حِي	خَ	خَا	شُ	شُو

মদের পূর্ণ ইজরা

جِبَالٌ	رِجَالٌ	حِسَابٌ	غَاسِقٌ	حَاسِدٌ	كَرَامٌ
خَلَقْنَا	رَفَعْنَا	لَدَيْنَا	رَحِيمٌ	لَطِيفٌ	خَبِيرٌ
أَمْرِي	تَجَرُّي	نَفْسِي	مَجِيدٌ	كَرِيمٌ	سَمِيعٌ
رَسُولٌ	شَكُورٌ	غَفُورٌ	مَحْفُوظٌ	شُهُودٌ	مَشْهُودٌ
نُوحِيهَا	تَفْعَلُونَ	تَعْلَمُونَ	تَقْتُلُونَ	تَسْعَوْنَ	تَضْرِبُونَ

খাড়া যবর, খাড়া যের, উল্টা পেশের পরিচয় ও উচ্চারণ (খাড়া যবর যোগে ইজরা)

ا	ب	ت	ث	ج
ح	خ	د	ذ	ر
ز	س	ش	ص	ض
ط	ظ	ع	غ	ف
ق	ك	ل	م	ن
و	ه	ء	ي	

খাড়া যের যোগে ইজরা

ا	ب	ت	ث	ج
ح	خ	د	ذ	ر
ز	س	ش	ص	ض
ط	ظ	ع	غ	ف
ق	ك	ل	م	ن
و	ه	ء	ي	

উল্টা পেশ যোগে ইজরা

ا	ب	ث	ث	ج
ح	خ	د	ذ	ر
ز	س	ش	ص	ض
ط	ظ	ع	غ	ف
ق	ك	ل	م	ن
و	ه	ء	ي	

জযমের ১নং ইজরা

(ধারা ৪)

سَعَى	عَسَى	يَرَى	كَفَى	عَلَى	بَلَى
أَهْلَهُ	رَجَعَهُ	قَبْلَهُ	رُسُلَهُ	بَعْدَهُ	طَعَامَهُ
لَهُ	أَهْلُهُ	مَالُهُ	خَلْقُهُ	أَمَاتَهُ	ذَكَرَهُ
مُوسَى	عِيسَى	يَخْشَى	أَحْوَى	تَرْضَى	أَغْنَى
قَوْلُ	وَيْلُ	عَيْنُ	خَيْرًا	خَوْفًا	طَيْرًا

২নং ইজরা

لِبَاسًا	حِسَابًا	كِرَامًا	صَوَابًا	كِتَابًا	مَابًا
يَسْعَى	يَبْقَى	بُشْرَى	تَرْضَى	أَبْقَى	أُولَى
أَمْرِي	أَهْلِي	تَجَرِي	يَهْدَى	يُغْنَى	يَبْقَى
يَتْلُوا	يَدْعُوا	أَدْعُوا	وَأَعْفُوا	يَرْمُوا	أَخْلَصُوا
ضَعِيفًا	عَلِيمًا	كَرِيمًا	خَيْرًا	بَصِيرًا	نَعِيمًا

৩নং ইজরা

خَلَقْنَا	اَكْرَمْنَا	اَفْعَلْنَا	وَضَعْنَا	لَدَيْنَا	رَفَعْنَا
رَسُولٌ	كَرِيمٌ	شَهِيدٌ	مَجِيدٌ	خَبِيرٌ	قُودٌ
رَحِيمٌ	كَرِيمٌ	عَظِيمٌ	أَمِينٌ	رَحِيقٌ	ضَنِينٌ
كُشِطَتْ	نُصِبَتْ	سُطِحَتْ	ثَقُلَتْ	نُشِرَتْ	حُشِرَتْ
الْغَفْلَةُ	وَالْقِنِطَةُ	وَالْحَفِظَةُ	بِأَيَّتِنَا	الْأَيَاتُ	الْآنَ

৪নং ইজরা

تُبْصِرُونَ	تُكْرَمُونَ	يَشْتَهُونَ	تَعْلَمُونَ
وَالْحَفِظِينَ	مَدِينِينَ	مُتَقِيلِينَ	مُتَرَفِينَ
مِنَ الْمُعْصِرَاتِ	مَا الْقَارِعَةُ	وَالْفَتْحُ	الْكُوثَرُ
مَذْبُذَيْنِ بَيْنَ ذَلِكَ		ذُو الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ	
وَيَغْفِرْ لَكُمْ ذُنُوبَكُمْ		وَخَلَقْنَاكُمْ أَزْوَاجًا	

৮ম পাঠ

তাশদীদেৰ পৰিচয়, উচ্চারণ ও ইজ্ৰা (হরকতের পরে মীমে নূনে তাশদীদ-গুলাহ করা ওয়াজিব।) (ধারা : ১-২)

أَب	أَت	أَث	أَج	أَح
أَخ	أَد	أَذ	أَر	أَز
أَس	أَش	أَص	أَض	أَط
أَظ	أَع	أَغ	أَف	أِق
أَل	أُل	أَم	أُن	أُو
أَه	أَاء	أَي	الله	مُحَمَّدُ
رَب	مَد	حَي	بَب	صَب
أَن	مَن	ظَن	عَم	هَم
إِن	كُن	هُن	سِن	ثَم
قُد	قُل	ثُم	مِئ	فِر
				أَب

حَبًّا	حَفًّا	صَفًّا	هَدًّا	أَزًّا	مَدًّا
بَرًّا	خَرًّا	رَجًّا	بَسًّا	شَفًّا	غِيًّا
إِدًّا	حَجًّا	عِرًّا	وَدًّا	ضِدًّا	شَكًّا
كُلُّ	حِلُّ	ضُرُّ	صُمُّ	حَقُّ	شَرُّ
أَنَا	مِنَّا	إِمَّا	حَمَّا	جَمًّا	كَلَّا
إِنِّي	رَبِّي	حَبِّي	حَتَّى	وَفَّى	وَنَى

১নং ইজরা (ধারা : ৪)

قَدَّارَ	عَدَّادَ	كَذَّبَ	صَدَّقَ	حَلَّلَ	نَعَّمَ
بُرْزَ	زَيْنَ	رَبِّكَ	حُصِّلَ	حُرِّمَ	فُعِّلَ
سَيِّدُ	جَنَّةُ	هَيِّنْ	كَرَّةِ	دُرَّةِ	قُوَّةِ
سَوَّلْتُ	كَذَّبْتُ	فُجِّرْتُ	تَقَدَّمَ	تَأَخَّرَ	تَصَدَّفَ
حَرِّمْتُ	فُصِّلْتُ	سُيِّرْتُ	كُوِّرْتُ	زُوِّجْتُ	ذُلِّلْتُ

২নং ইজরা

مَحَبَّةٌ	بَيْنَةٌ	قِيَمَةٌ	عَشِيَّةٌ	خَشِيَّةٌ	طَيِّبَةٌ
تَوَلَّى	تَجَلَّى	تَزَكَّى	تَمَنَّى	تَصَدَّى	إِلَى
نَبِيٌّ	وَلِيٌّ	عَلِيٌّ	غَنِيٌّ	خَفِيٌّ	شَقِيٌّ
مَهْدِيٌّ	دُرِّيٌّ	ذُرِّيَّةٌ	يَشَقُّ	يَزْكِي	مَكْنَا
وَهَابًا	ثَجَّاجًا	تَوَّابًا	غَسَّاقًا	كَذَّابًا	سَجِّينٌ

৩নং ইজরা

مُطَهَّرَةٌ مُكْرَمَةٌ مُدَادَةٌ مُبَيَّنَةٌ
 لَيَقُولَنَّ أَمْتَعَكُنَّ عَلَيْهِنَ الْمُرْمَلُ
 طَلَّقَتْهُنَّ وَسَرَّحُوهُنَّ فَمِتَّعُوهُنَّ
 يَوْمَئِذٍ يَصَّدَّعُونَ شَرَّ النَّفْسِ فِي الْعُقَدِ
 وَهَذَا لِيَعْبُدُ وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

৪নং ইজরা

الرَّحْمَنُ عَلَى الْعَرْشِ اسْتَوَى . النَّجْمُ الثَّاقِبُ .

وَلَقَدْ يَسَّرْنَا الْقُرْآنَ لِلذِّكْرِ . بِالْخُنُوسِ الْجَوَارِ الْكُنُوسِ

وَقُلْ رَبِّ ارْحَمْهُمَا . وَمَا تِلْكَ بِيَمِينِكَ يُمُوسَى .

فَمَهْلُ الْكُفْرَيْنِ أَمْهَلُهُمْ رُويْدًا . الَّذِينَ كَفَرُوا بِآيَاتِنَا .

رَبَّنَا تَقَبَّلْ مِنَّا إِنَّكَ . إِنَّ أَصْحَابَ الْجَنَّةِ الْيَوْمَ .

২য় অধ্যায়

মৌলিক তাজবীদের ইলমী ও আমলী তা'লীম

মদে বদল :

হামযার হরকতের সঙ্গে এক আলিফ টেনে যে মদে ত্বাবী হয়, তাকে মদে বদল বলে। যথা :

الْآنَ	الْأَيَاتِ	الْفِهُمُ	بِآيَاتِنَا	أَيَّتِكَ
وَعَلَى إِلِهِ	أَتِنَا	أَمْوَا	أَوَى	الْقُرْآنَ

লীনের হরফ :

লীনের হরফ দুইটি- ى-و যবরের বাম পাশে জযম যুক্ত ওয়াও ُبو যবরের বাম পাশে জযম যুক্ত ইয়া ُبي । লীনের হরফ তাড়াতাড়ি পড়তে হয় । যেমন :

خَوْخَى	جَوْجَى	ثَوْتَى	تَوْتَى	بَوْبَى
---------	---------	---------	---------	---------

মদে লীন :

লীনের হরফের বামের হরফে ওয়াকুফ করলে এক আলিফ টেনে যে মদ পড়া হয় তাকে মদে লীন বলে। যথা :

سَيِّرٌ	لَيْلٌ	وَيْلٌ	قَوْلٌ	خَوْفٌ
عَيْنٌ	مَوْتُ	صَيْفٌ	خَيْرٌ	يَتٌ

মদে এওয়ায :

গোল ঠ ব্যতীত দুই যবরের উপর ওয়াকুফ করলে এক যবর বাদ দিয়ে এক আলিফ টেনে পড়তে হয়, তাকে মদে এওয়ায বলে।

سُبَاتًا	لِمَاسًا	مَعَاشًا	شِدَادًا	مَعَايشَ قَلِيلًا
تَوَابًا	كَرِيمًا	حَسِيبًا	حَكِيمًا	حَلِيمًا
فَرِيقًا				

মদে আরযী :

মদের হরফের বামের হরফে ওয়াকুফ করলে তার ডান দিকের হরফের উচ্চারণ তিন আলিফ টেনে পড়াকে মদে আরযী বলে। যথা :

الْعَلَمِ	يَرْجِعُونَ	الرَّحْمَنُ	الرَّحِيمُ	عَلِيمٌ
حَكِيمٌ	خَيْرٌ	قَدِيرٌ	شَكُورٌ	مَاعُونٌ

মদে মুনফাছিল :

মদের হরফের উপরে চিকন চিহ্ন, বামে ভিন্ন শব্দের শুরুতে হামযা আসলে তার ডানদিকের হরফের উচ্চারণ তিন আলিফ টেনে পড়াকে মদে মুনফাছিল বলে। যথা :

لَا أَعْبُدُ	لَا أَقْسِمُ	إِلَى أَهْلِهِ	يَدِ الْآبِي	مَا أَغْنَى
لَا إِلَهَ	حَتَّى إِذَا	وَمَا أَمُرُوا	بِرَّهْ أَحَدٌ	

মদে লায়িম হরফী মুখাফফাফ :

হরফের উপর মোটা চিহ্ন বামে তাশদীদ না থাকলে চার আলিফ টেনে পড়াকে মদে লায়িম হরফী মুখাফফাফ বলে। যথা :

نَ	قَ	صَ	الرَّ	حَمَ
يُسَ	طَسَ	عَسَقَ	كَهَيَّعَصَ	

মদে লায়িম হরফী মুছাক্কাল :

হরফের উপর মোটা চিহ্ন বামে তাশদীদ হলে চার আলিফ টেনে পড়াকে মদে লায়িম হরফী মুছাক্কাল বলে। যথা :

الْمَ	الْمَرَّ	طَسَمَ	الْبَصَ
-------	----------	--------	---------

মদে লায়িম কালমি মুছাক্কাল :

কালিমার মধ্যে মদে হরফের উপর মোটা চিহ্ন বামে তাশদীদ আসলে তার ডানদিকের হরকতকে চার আলিফ টেনে পড়াকে মদে লায়িম কালমী মুছাক্কাল বলে। যথা :

دَابَّةٌ	كَافَةٌ	تَحْضُونُ	وَالْأَصَالَيْنِ
----------	---------	-----------	------------------

মদে লায়িম কালমি মুখাফফাফ :

কালিমার মধ্যে মদে হরফের উপর মোটা চিহ্ন বামে জযম থাকলে তার ডানদিকের হরকতের উচ্চারণ চার আলিফ টেনে পড়াকে মদে লায়িম কালমী মুখাফফাফ বলে। যথা :

الْتُنْ

মদে মুত্তাসিল :

মদের হরফের উপর মোটা চিহ্ন বামে একই শব্দে হামযা আসলে তার ডানদিকের হরকতের উচ্চারণ চার আলিফ টেনে পড়াকে মদে মুত্তাসিল বলে। যথা :

جَاءَ	شَاءَ	أُولَئِكَ	يَشَاءُ	سَوَاءٌ	السَّمَاءُ
غُثَاءٌ	عَاءٌ لَا	جَزَاءٌ	حُنْفَاءٌ	إِذَا جَاءَكَ	

দুই(২)যবর, দুইযের(২)দুইপেশকে(২)তানবীন বলে।
জযম্ ওয়ালা নূন কে নূন সাকিন বলে।

নূন সাকিন ও তানবীনকে চার নিয়মে পড়তে হয়। ১. ইযহার, ২. ইদগাম, ৩. ইকুলাব, ৪. ইখ্ফা।

ইযহার অর্থ : স্পষ্ট করে পড়া, ইযহার-এর হরফ ছয়টি- خ ح ع ٥ ٦ নূন সাকিন বা তানবীনের পরে ইযহারের ছয় হরফের কোন হরফ আসলে নূন সাকিন বা তানবীনকে স্পষ্ট করে পড়তে হয়।

ইযহারের মশক

أَنعَمْتَ . مِنْ حَبْلِ الْوَرِيدِ . عَنْهُ مَالُهُ . مَنْ هُوَ
عَلَيْهِمْ حَكِيمٌ . لَطِيفٌ خَبِيرٌ . أَجْرٌ عَظِيمٌ .
مَنْ خَفَّتْ . مِنْ خَوْفٍ . لَقَوِيٌّ عَزِيزٌ . فَمَنْ أَظْلَمُ .
عَذَابُ أَلِيمٌ . كُفُّوا أَحَدُ .

ইদগাম অর্থ : মিলিয়ে পড়া, ইদগামের হরফ ছয়টি- ي ر م ل و ن

ইদগাম দুই প্রকার- যথা ১. গুনাহ সহ ইদগাম, ২. গুনাহ ছাড়া ইদগাম।

গুনাহ সহ ইদগাম : এর হরফ ৪টি- ي و م ن-নূন সাকিন বা তানবীনের পরে এই চারটি হরফের কোন হরফ আসলে নূন সাকিন বা তানবীনকে গুনাহ সহ মিলিয়ে পড়তে হয়ে।

গুনাহ সহ ইদগামের মশক

مَنْ يَشَاءُ . وَحْيِ يُوْحَى . أَنْ يَضْرِبَ . يَوْمَئِذٍ يَصْدُرُ النَّاسُ . مِنْ
وَأَقِ . جَذَّتْ وَعُيُونٍ . خَيْرٌ وَأَبْقَى . صِرَاطًا مُسْتَقِيمًا . مَنْ مَسِدٍ .
أَمْنَةً مِّنْهُ . مَنْ مَثَلِهِ . حِطَّةٌ نَّغْفِرُ لَكُمْ . مَنْ نَّعَمَةٍ . عَنْ
نَفْسٍ شَيْئًا .

২. গুনাহ ছাড়া ইদগাম- এর হরফ ২টি - ر ل

নূন সাকীন বা তানবীনের পরে এই ২টি হরফের কোন হরফ আসলে নূন সাকীন বা তানবীনকে গুনাহ ছাড়া মিলিয়ে পড়তে হয়।

গুনাহ ছাড়া ইদগামের মশক

وَلَكِنْ لَا يَشْعُرُونَ . مِنْ لَدُنْهُ . هُدًى لِّلْمُتَّقِينَ .

مِنْ رَبِّهِمْ أَنْ رَأَاهُ . غَفُورٌ رَحِيمٌ

ইকুলাব অর্থ : পরিবর্তন করা, ইকুলাবের হরফ একটি যথা- ب ।

নূন সাকিন বা তানবীনের পরে ইকুলাবের হরফ ب আসলে নূন সাকিন বা তানবীনকে মীম দ্বারা পরিবর্তন করে গুনাহসহ পড়তে হয়।

ইকুলাবের মশক

مِنْ بَعْدِ . مِنْ بَيْنِ الصُّلْبِ . يَوْمَئِذٍ بِجَهَنَّمَ .

خَيْرٌ أَبْصِيرًا . كَرَامٍ بَرَّةٍ .

ইখফা অর্থ : অস্পষ্ট, ইখফার হরফ ১৫টি। যথা- ت ث ج د ذ ز س ش ص ض ط ظ ف - নূন সাকিন বা তানবীনের পরে ইখফার হরফের কোন হরফ আসলে নূন সাকিন বা তানবীনকে গুনাহ সহ অস্পষ্ট করে পড়তে হয়।

ইখফার মশক

نَارًا تَلْظَى . مَنْ ثَقُلَتْ . عَيْنٌ جَارِيَةٌ . دَكَّا دَكَّا . مَنْ ضَلَّ

فَانْذَرْتَكُمْ . نَفْسًا زَكِيَّةً . قَوْلًا سَدِيدًا . حَيَاةً طَيِّبَةً . مَنْ ظَلَمَ .

أَنفُسُكُمْ . خَيْرًا كَثِيرًا .

মীম সাকিন : তিন নিয়মে পড়তে হয়। মীম সাকিনের ইখফা, মীম সাকিনের ইদগাম, মীম সাকিনের ইয়হার।

ইখফা : মীম সাকিনের পর ب আসলে মীম সাকিনকে গুনাহ সহ পড়তে হয়।

মীম সাকিন ইখফার মশক

قُمْ بِأَذْنِ اللَّهِ . إِنَّ رَبَّهُمْ بِهِمْ . فَبَشِّرْهُمْ بِعَذَابٍ . وَمَا هُمْ

بِؤْمِنِينَ

মীম সাকিন ইদগামের মশক

ইদগাম : মীম সাকিনের পরে **م** আসলে মীম সাকিনকে গুনাহসহ মিলিয়ে পড়তে হয়।

عَلَيْهِمْ مَّطَرًا. وَهُمْ مُّهِتَدُونَ. لَهُمْ مَّوْعِدَةٌ.
وَلَهُمْ مَا يَدَّ عُنُون.

ইযহার : মীম সাকিনের পরে **ب** ব্যতীত অন্য কোন হরফ আসলে মীম সাকিনকে স্পষ্ট করে পড়তে হয়।

মীম সাকিন ইযহারের মশক

لَمْ يَلِدْ. لَكُمْ دِينُكُمْ. فَلَهُمْ أَجْرٌ. لَهُمْ فِيهَا.
عَلَيْهِمْ ءَأَنْذَرْتَهُمْ. إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ.

আল্লাহ শব্দের **ل**, পোর ও বারিক পড়ার নিয়ম ও মশক

আল্লাহ শব্দের পূর্বে যবর বা পেশ থাকলে আল্লাহ শব্দের লামকে পোর বা মোটা করে পড়তে হয়। যদি যের হয় তখন বারিক বা পাতলা করে পড়তে হয়।

اَللّٰهُ اَكْبَرُ. اَلَا تَعْبُدُوْا اِلَّا اِلّٰهَ. اَللّٰهُمَّ. سُبْحَانَ اِلّٰهِ.
عَبْدُ اِلّٰهِ. رَسُوْلُ اِلّٰهِ.

بِسْمِ اِلّٰهِ. اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ. دِيْنِ اِلّٰهِ.

হরফ পোর পড়ার নিয়ম

হরফের উপর যবর বা পেশ অথবা সাকিন তার পূর্বে যবর বা পেশ হলে **ر** কে পোর করে পড়তে হয়। যেমন :

رَسُوْلٌ. رَبِّ مُوْسٰى وَهٰرُوْنَ. وَالرُّوْحُ. نَصْرُ اِلّٰهِ.
اَرْسَلَ. يَرْجِعُوْنَ. قَرِيَةً. قُرْآنٌ. قُرْبَانًا.

১) হরফ বারিক পড়ার নিয়ম

১) হরফে যের অথবা ২) সাকিন তার পূর্বে যের আসলে ৩) কে
বারিক বা পাতলা করে পড়তে হয়। যেমন :

رَجَالٌ . بِغَيْرِ حِسَابٍ . رَزَقْنَاكُمْ . أَنْذِرِ النَّاسَ .
عَيْنٌ جَارِيَةٌ . مَرِيَّةٌ . فِرْعَوْنُ . مَرْفَقًا .

কুলকুলার পরিচয় : কুলকুলার হরফ ৫টি - ط - ب - ج - د - ৫টি এর সমষ্টি হল-
قُطِبُ جِدٍّ এই ৫টি হরফে যজম হলে কুলকুলা বা পাল্টা আওয়াজ করে পড়তে
হয়। যেমন-

لَمْ يَلِدْ . وَلَمْ يُولَدْ . الَّذِي أَطْعَمَهُم مِّنْ جُوعٍ .
اقْرَأْ بِاسْمِ رَبِّكَ الَّذِي خَلَقَ . وَتُبَّ عَلَيْنَا .

আলিফে যায়দা (অতিরিক্ত আলিফ তাড়াতাড়ি পড়তে হয়)।

أَفَإِنْ مَاتَ . لَا إِلَى اللَّهِ . أَنْ تَبُوءَ . مِنْ نَّبَأِ الرُّسُلِينَ لَا
أَوْضَعُوا . أَفَإِنْ مِتَّ . وَتَمُودًا . لَا أَذْبَحَنَّهُ لِيَرْبُؤَانِي . لَا إِلَى
الْجَحِيمِ . وَلَكِنْ لِّيَبْلُوَ لَنْ نَّبْلُوَ أَخْبَارَكُمْ . لَا أَنْتُمْ أَشَدُّ .
سَلْسِلًا قَوَارِيرًا . تَمُودًا فَمَا . لَكِنَّا هُوَ اللَّهُ . وَلَا أَنَا عَابِدٌ مَّا
عَبَدْتُمْ . إِنَّ تَمُودًا . أَمَّمُ لَتَتَّبِعُونَا . لَنْ نَدْعُوَ .

নিচের শব্দগুলো পড়ার নিয়ম

يَبْسُطُ بَصْطَةً فِي الْعِلْمِ . هُمُ الْمُصْطِطُونَ . بِصِطْرٍ .

পবিত্র কুরআনে চার জায়গায় সাকতা আছে

وَلَمْ يَجْعَلْ لَهُ عِوَجًا (সক্কা) قِيَمًا. مِنْ مَّرْقَدِنَا (সক্কা) هَذَا.
وَقِيلَ مَنْ (সক্কা) رَاقٍ. كَلَّا بَلْ (সক্কা) رَانَ عَلَى قُلُوبِهِمْ.

পবিত্র কুরআনে এক জায়গায় এমালা আছে যেমন- بِسْمِ اللَّهِ مَجْرَهَا

أَنَا পড়ার নিয়ম

চার أَنَا পড়বে টানা, বাকী أَنَا টানতে মানা

أَنَا টেনে পড়ার মশক

أَنَا مِلَ مِنَ الْغَيْظِ. وَأَنَا سَيِّ كَثِيرًا.

مَنْ أَنَابَ إِلَى. وَأَنَا بُوَا إِلَى اللَّهِ.

أَنَا না টেনে পড়ার মশক

إِنَّمَا أَنَا نَذِيرٌ مُبِينٌ. إِنَّمَا أَنَا بَشَرٌ مِثْلُكُمْ. إِنِّي أَنَا
رَبُّكَ. وَلَا أَنَا عِبْدٌ مَّا عَبْدَاتُكُمْ. وَمَا أَنَا مِنَ الْمُشْرِكِينَ.

নূনে কুত্নী

তানভীনের ভিতরে লুকায়িত নূনকে যের দিয়ে মিলিয়ে
পড়াকে নূনে কুত্নী বলে।

لَمَزَةٍ الذِّي. خَيْرِ الْوَصِيَّةِ. نُوحٍ ابْنَهُ.

গোল ৪ ওয়াকফের অবস্থায় ৪ ছাকিন হয়ে যায় যেমন :-

شَافِعَةً وَمُشَفَّعَةً. وَالصَّلَاةُ الْقَائِمَةُ. قَدْ
قَامَتِ الصَّلَاةُ. وَالْفَضِيلَةُ.

তৃতীয় অধ্যায়

পূর্ব পাঠসমূহের অনুশীলন

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ • الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ •
 الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ • مُلِكِ يَوْمِ الدِّينِ • رَبِّ زِدْنِي
 عِلْمًا • وَلَقَدْ يَسَّرْنَا الْقُرْآنَ • فَأَمَّا مَنْ أَعْطَى وَاتَّقَى •
 وَصَدَّقَ بِالْحُسْنَى • فَسَنُيَسِّرُهُ لِلْيُسْرَى • قَدْ أَفْلَحَ
 مَنْ زَكَّاهَا • وَقَدْ خَابَ مَنْ دَسَّاهَا • وَالَّذِينَ كَفَرُوا
 بِآيَاتِنَا هُمْ أَصْحَابُ الْمَشْأَةِ • إِنَّ جَهَنَّمَ كَانَتْ
 مِرْصَادًا • هُمْ وَأَزْوَاجُهُمْ فِي ظُلٍّ عَلَى الْأَرَائِكِ
 مُتَكِبُونَ • لَهُمْ فِيهَا فَاكِهَةٌ وَلَهُمْ مَّا يَدْعُونَ • سَلَامٌ
 قَوْلًا مِّن رَّبِّ رَحِيمٍ • فَلَا تَخْشَوْهُمْ وَاخْشَوْنِي •
 وَلَا تُؤْمِرُوا بِعَٰمِي عَلَىٰ عِلِّيُّنَ • لَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ • أَعَدَّ اللَّهُ
 لَهُمْ مَّغْفِرَةً وَأَجْرًا عَظِيمًا • الرَّحْمَنُ عَلَى الْعَرْشِ
 اسْتَوَى • وَمَا تِلْكَ بِيَمِينِكَ يُمُوسَى • قَالَ هِيَ
 عَصَايَ • قَالَ رَبِّ اشْرَحْ لِي صَدْرِي وَيَسِّرْ لِي أَمْرِي
 وَاحْلُلْ عُقْدَةً مِّن لِّسَانِي يَفْقَهُوا قَوْلِي •

لَوْ أَنزَلْنَاهَا هَذَا الْقُرْآنَ عَلَى جَبَلٍ لَّرَأَيْتَهُ خَاشِعًا
مُتَصَدِّعًا مِّنْ خَشْيَةِ اللَّهِ • وَتِلْكَ الْأَمْثَالُ نَضْرِبُهَا
لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَفَكَّرُونَ • سَتَجِدُنِي إِن شَاءَ اللَّهُ مِنَ
الصَّابِرِينَ • وَاللَّهُ عَلَى مَا نَقُولُ وَكِيلٌ • قَالَ لَا تَخَفْ
نَجُوتَ مِنَ الْقَوْمِ الظَّالِمِينَ • إِنَّهُ كَانَ صِدِّيقًا نَّبِيًّا •
خَالِدِينَ فِيهَا لَا يَبْغُونَ عَنْهَا حِوَلًا • وَكَانَ وَعْدُ رَبِّي
حَقًّا • يَوْمَ نَبْطِشُ الْبَطْشَةَ الْكُبْرَى • فَإِنَّا يَسْرُنُهُ
بِلِسَانِكَ لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُونَ • إِنَّ إِلَيْنَا إِيَابَهُمْ • ثُمَّ إِنَّ
عَلَيْنَا حِسَابَهُمْ • ضَالًّا • دَابَّةً • لِّضَالُّونَ • أَتَحَاجُّونِي •
فَإِذَا جَاءَتِ الطَّامَّةُ الْكُبْرَى • صُمُّ بُكْمٌ عُنَى فَهُمْ
لَا يَرْجِعُونَ • وَاتَّقُوا اللَّهَ إِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ بِذَاتِ الصُّدُورِ •
وَإِنَّكَ لَعَلَى خُلُقٍ عَظِيمٍ • لِلَّهِ مَا فِي السَّمُوتِ وَمَا فِي
الْأَرْضِ • إِنِّي أَنَا اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا أَنَا فَاعْبُدْنِي • وَأَقِمِ
الصَّلَاةَ لِذِكْرِي • وَقُلْ رَبِّ ارْحَمْهُمَا كَمَا رَبَّيْنِي
صَغِيرًا • رَبَّنَا تَقَبَّلْ مِنَّا إِنَّكَ أَنْتَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ •
وَتُبْ عَلَيْنَا إِنَّكَ أَنْتَ التَّوَّابُ الرَّحِيمُ • وَلَا الضَّالِّينَ •

وَلَا تَمْنَعَتْنِي عَلَيْكُمْ وَلَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ • مِنْ رَبِّهِمْ
 وَرَحْمَةً • لَا يَسْتَوِي أَصْحَابُ النَّارِ أَصْحَابُ الْجَنَّةِ •
 أَصْحَابُ الْجَنَّةِ هُمْ الْفَائِزُونَ • وَلِلَّذِينَ كَفَرُوا
 بِرَبِّهِمْ عَذَابُ جَهَنَّمَ وَبِئْسَ الْمَصِيرُ • إِذَا أُلْقُوا
 فِيهَا سَبِعُوا لَهَا شَهِيقًا وَهِيَ تَفُورُ • تَكَادُ تَبَيِّرُ مِنَ
 الْغَيْظِ كُلُّمَا أُلْقِيَ فِيهَا فَوْجٌ سَأَلَهُمْ خَزَنَتُهَا أَلَمْ
 يَأْتِكُمْ نَذِيرٌ • قَالُوا بَلَى قَدْ جَاءَنَا نَذِيرٌ • فَكَذَّبْنَا
 وَقُلْنَا مَا نَزَّلَ اللَّهُ مِنْ شَيْءٍ • إِنْ أَنْتُمْ إِلَّا فِي ضَلَالٍ
 كَبِيرٍ • وَقَالُوا لَوْ كُنَّا نَسْمَعُ أَوْ نَعْقِلُ مَا كُنَّا فِي
 أَصْحَابِ السَّعِيرِ • إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ
 كَانَتْ لَهُمْ جَنَّاتُ الْفِرْدَوْسِ نُزُلًا • خَالِدِينَ فِيهَا لَا
 يَبْغُونَ عَنْهَا حَوْلًا • قُلْ لَوْ كَانَ الْبَحْرُ مِدَادًا لَكَلِمَتِ
 رَبِّي لَنَفِدَ الْبَحْرُ قَبْلَ أَنْ تَنْفَدَ كَلِمَتُ رَبِّي وَلَوْ جِئْنَا
 بِبِثْلِهِ مَدَدًا • قُلْ إِنَّمَا أَنَا بَشَرٌ مِثْلُكُمْ يُوحَى إِلَيَّ
 أَنَّمَا إِلَهُكُمُ اللَّهُ وَاحِدٌ •

فَمَنْ كَانَ يَرْجُوا لِقَاءَ رَبِّهِ فَلْيَعْمَلْ عَمَلًا صَالِحًا
وَلَا يُشْرِكْ بِعِبَادَةِ رَبِّهِ أَحَدًا • إِنَّا أَعْطَيْنَاكَ الْكَوْثَرَ •
فَصَلِّ لِرَبِّكَ وَانْحَرْ • إِنَّ شَانِئَكَ هُوَ الْأَبْتَرُ • قُلْ هُوَ
اللَّهُ أَحَدٌ • اللَّهُ الصَّمَدُ • لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ • وَلَمْ يَكُنْ
لَهُ كُفُوًا أَحَدٌ • قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ النَّاسِ • مَلِكِ النَّاسِ •
إِلَهِ النَّاسِ • مِنْ شَرِّ الْوَسْوَاسِ الْخَنَّاسِ • الَّذِي
يُوسُوسُ فِي صُدُورِ النَّاسِ • مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ •

* শিক্ষক মহোদয়ের নিকট আবেদন এই যে, আপনারা যদি বেফাকের নূরানী প্রশিক্ষণ গ্রহণ করে কায়দাটি পড়ান, তাহলে ব্ল্যাক বোর্ডের মাধ্যমে অতি অল্প সময়ে ছাত্রদেরকে কুরআন শরীফ পড়ানোর উপযোগী করে গড়ে তুলতে পারবেন। ইজরা ও মশকের পাঠগুলো অধিক মশক করাবেন।

প্রশিক্ষণ কেন্দ্রের জন্য যোগাযোগ করুন

মাও. হারুনুর রশিদ

মোবাইল : ০১৭১৭-১৬ ৬৫ ৪৬